



## दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

---

भारत-नामीबिया संबंध और  
भारत-अफ्रीका जुड़ाव

---

## भारत-नामीबिया संबंध और भारत-अफ्रीका जुड़ाव

### संदर्भ

- प्रधानमंत्री की नामीबिया यात्रा के साथ भारत की विकसित होती अफ्रीकी कूटनीति ने एक रणनीतिक दिशा प्राप्त की है, जो नीति से परे सहानुभूति और पारस्परिक सम्मान पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है।

### भारत-नामीबिया संबंधों के बारे में

- ऐतिहासिक आधार:**
  - भारत ने 1946 में संयुक्त राष्ट्र में नामीबिया की स्वतंत्रता का मुद्दा उठाया था।
  - प्रमुख उपलब्धियाँ:
    - 1986 में दक्षिण पश्चिम अफ्रीका पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (SWAPO) का प्रथम विदेशी राजनयिक मिशन नई दिल्ली में स्थापित किया गया।
    - भारतीय सेना के लेफिटनेंट जनरल दीवान प्रेम चंद ने नामीबिया की स्वतंत्रता के संक्रमण काल (1989–90) में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना का नेतृत्व किया।
    - 1990 में नामीबिया के स्वतंत्रता दिवस पर भारत के पर्यवेक्षक मिशन को पूर्ण उच्चायोग में अपग्रेड किया गया।
- रणनीतिक सहयोग:**
  - जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री की यात्रा के साथ भारत की हालिया कूटनीतिक पहल ने द्विपक्षीय संबंधों को पुनर्जीवित किया।
  - प्रमुख परिणाम:
    - स्वास्थ्य, उद्यमिता, जैव ईंधन और आपदा लचीलापन पर समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर।
    - नामीबिया द्वारा भारत की UPI प्रणाली को अपनाना — अफ्रीका में पहली बार।
    - IT में भारत-नामीबिया उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना और नामीबिया विश्वविद्यालय के ओंग्वेडिवा परिसर में ‘इंडिया विंग’ की स्थापना।
    - नामीबिया ने ग्लोबल बायोफ्यूल्स एलायंस और आपदा लचीला अवसंरचना गठबंधन (CDRI) में भागीदारी की।
- भारत के लिए रणनीतिक लाभ:**
  - नामीबिया का दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका में स्थान, अटलांटिक महासागर तक पहुँच और दक्षिण अफ्रीका, अंगोला एवं जाम्बिया जैसे क्षेत्रीय साझेदारों के निकटता के कारण यह भारत की महाद्वीपीय पहुँच के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनता है।
  - इसका स्थिर राजनीतिक वातावरण और लोकतांत्रिक संस्थाएँ दीर्घकालिक सहयोग के लिए एक विश्वसनीय मंच प्रदान करती हैं।
- आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध:**
  - 2023–24 में द्विपक्षीय व्यापार लगभग US\$813 मिलियन तक पहुँच गया, जिसमें भारत द्वारा दवाइयाँ, मशीनरी और रसायन निर्यात किए गए, जबकि नामीबिया से गैर-लौह धातुएँ एवं खनिज आयात किए गए।
  - स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के लिए आवश्यक यूरोनियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की खोज में नामीबिया भारत का एक प्रमुख साझेदार है।

- **क्षमता निर्माण और विकास सहायता:**
  - नामीबिया भारत की ITEC योजना का लाभार्थी है, जिसके अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया गया:
    - रक्षा कर्मियों और हेलीकॉप्टर पायलटों को;
    - एड्स नियंत्रण पर कार्यरत स्वास्थ्य अधिकारियों को;
    - नागरिक पेशेवरों और राजनयिकों को।
- **बहुपक्षीय समन्वय:**
  - नामीबिया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन करता है और राष्ट्रमंडल, गुटनिरपेक्ष आंदोलन और G20 जैसे मंचों पर सहयोग करता है।
  - दोनों देश वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने के लिए वैश्विक शासन में सुधार का समर्थन करते हैं।
- **सांस्कृतिक और जनसंपर्क संबंध:**
  - नामीबिया में योग का व्यापक अभ्यास होता है, और संस्कृतः, आयुर्वेद दिवस एवं गणतंत्र दिवस जैसे सांस्कृतिक आयोजनों से गहरे संबंध बनते हैं।
  - भारत-नामीबिया मैत्री संघ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

## भारत की अफ्रीका नीति और दृष्टिकोण

- **रणनीतिक साझेदारी और विकास सहयोग:**
  - 43 अफ्रीकी देशों में 200 से अधिक अवसंरचना परियोजनाओं के लिए \$12 बिलियन रियायती ऋण।
  - शिक्षा और टेलीमेडिसिन के लिए पैन-अफ्रीकी ई-नेटवर्क, ई-विद्याभारती और ई-आरोग्यभारती पहल।
- **आर्थिक जुड़ाव और व्यापार दृष्टिकोण:**
  - भारत अफ्रीका का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, और द्विपक्षीय व्यापार लगभग \$103 बिलियन तक पहुँच गया है।
  - **प्रमुख निर्यात:** मशीनरी, दवाइयाँ, वस्त्र और ऑटोमोबाइल।
  - **प्रमुख आयात:** कच्चा तेल, खनिज, कपास और कीमती पत्थर।
  - भारत का लक्ष्य 2030 तक व्यापार को \$200 बिलियन तक दोगुना करना है, जिसमें महत्वपूर्ण खनिज, खाद्य सुरक्षा और डिजिटल वाणिज्य पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- **डिजिटल कूटनीति और तकनीकी हस्तांतरण:**
  - डिजिटल इंडिया, आधार और ONDC की सफलता अफ्रीकी देशों के लिए डिजिटल परिवर्तन के दोहराने योग्य मॉडल प्रस्तुत करती है।

## प्रमुख चिंताएँ और चुनौतियाँ

- **अनियमित जुड़ाव और राजनयिक अंतराल:**
  - भारत की अफ्रीका नीति में प्रायः लंबे राजनयिक अंतराल देखे गए हैं।
  - प्रधानमंत्री की हालिया यात्रा — लगभग तीन दशकों में प्रथम — अन्य वैश्विक शक्तियों की निरंतर उपस्थिति की तुलना में भारत की प्रतिबद्धता पर प्रश्न उठाती है।
- **मामूली व्यापार और आर्थिक संबंध:**
  - खनन, ऊर्जा और डिजिटल अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों का पर्याप्त उपयोग नहीं हुआ है, और SACU (सदर्न अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन) के साथ वरीयता व्यापार समझौते पर बातचीत अभी जारी है।

- **महत्वपूर्ण खनिजों में अवसरों की चूक:**
  - नामीबिया यूरेनियम और अन्य रणनीतिक खनिजों का प्रमुख उत्पादक है, लेकिन आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए कोई बड़ा समझौता यात्रा के दौरान नहीं हुआ।
  - भारत की स्वच्छ ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं के लिए इन संसाधनों तक लचीली पहुँच आवश्यक है, जो एक महत्वपूर्ण अंतरगल दर्शाता है।
- **क्रियान्वयन संबंधी चुनौतियाँ:**
  - स्वास्थ्य और उद्यमिता पर MoUs पर हस्ताक्षर हुए हैं, लेकिन प्रभावी क्रियान्वयन अभी अनिश्चित है।
  - भारत की अफ्रीका में विकास परियोजनाएँ कभी-कभी विलंबित होती हैं या उनका पालन नहीं होता, जिससे विश्वसनीयता और प्रभाव पड़ता है।
- **वैश्विक प्रतिस्पर्धा और रणनीतिक दबाव:**
  - भारत को अफ्रीका में चीन की गहरी उपस्थिति — अवसंरचना, क्रांति और खनिज सौदों के माध्यम से — के बीच अपनी नीति को सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाना होगा।
  - भारत का मॉडल — सम्मान और सह-विकास पर आधारित — को प्रभावी रूप से बढ़ाना होगा ताकि संसाधन-गहन दृष्टिकोणों से प्रतिस्पर्धा की जा सके।
- **क्षमता की सीमाएँ और संस्थागत अंतराल:**
- नामीबिया की तकनीकी तत्परता आशाजनक है, लेकिन UPI जैसी भारतीय नवाचारों को अपनाने और बढ़ाने के लिए संस्थागत क्षमता को निरंतर समर्थन की आवश्यकता होगी।
- दीर्घकालिक सफलता स्थानीय विशेषज्ञता और नियामक ढांचे के निर्माण पर निर्भर करती है।

### निष्कर्ष और आगे की राह

- भारत-नामीबिया संबंध भारत की दक्षिण-दक्षिण सहयोग की दृष्टि का उदाहरण है:
  - यह पारस्परिक लाभ पर केंद्रित है, न कि दाता-प्राप्तकर्ता गतिशीलता पर।
  - यह ज्ञान साझा करने, मानव संसाधन विकास और संस्थागत क्षमता को प्राथमिकता देता है।
  - यह अफ्रीका के एजेंडा 2063 और 'वैश्विक दक्षिण की आवाज़' के रूप में भारत की भूमिका के साथ सामंजस्यशील है।
- भारत-नामीबिया संबंध भारत की विकसित होती अफ्रीका रणनीति का एक सूक्ष्म रूप हैं — जो इतिहास में निहित, तकनीक द्वारा संचालित और साझा मूल्यों द्वारा निर्देशित है। इसके लिए आवश्यक है:
  - निरंतर उच्च-स्तरीय जुड़ाव;
  - महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रणनीतिक समझौते;
  - विकास परियोजनाओं का सुदृढ़ क्रियान्वयन;
  - वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच स्पष्ट मूल्य प्रस्ताव के साथ आगे बढ़ाना।
- जैसे-जैसे भारत अफ्रीकी महाद्वीप में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है, नामीबिया एक रणनीतिक सहयोगी और सम्मानजनक, लचीले और पारस्परिक साझेदारी की संभावनाओं का प्रतीक बनकर उभर रहा है।

Source: TH

### दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न:** चर्चा कीजिए कि नामीबिया के साथ भारत का जुड़ाव उसकी अफ्रीका नीति में व्यापक परिवर्तन को कैसे दर्शाता है। इस साझेदारी के ऐतिहासिक आधार, तकनीकी सहयोग और रणनीतिक निहितार्थों का विश्लेषण कीजिए।